उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)

विषयः-डिप्लोमा-ज्योतिषशास्त्रम्

पूर्णाङ्काः- १००

सैद्धान्तिक - ८०

आन्तरिकमूल्यांकन- २०

प्रथमसत्रम्(I-Semester)

प्रथमपत्रम् **CC-1**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	ज्योतिष शास्त्र का परिचय	16	1
2.	ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता	16	1
3.	ज्योतिष एवंविज्ञान	16	1
4.	ज्योतिष एवंकर्म	16	1
5.	ज्योतिष शास्त्र कासंक्षिप्तइतिहास	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थाः-

1. भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्-मीठालालहिंमतरामओझा, देवर्षिप्रकाशन, वाराणसी।
2. भारतीयज्योतिषम्-शिवनाथझारखण्डी, उत्तरप्रदेशहिन्दीसंस्थान, लखनऊ।
3. विद्यापीठपञ्चाङ्गम्-श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्टियसंस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली।

द्वितीयपत्रम् **CC-2**	**पाठ्यग्रन्थः-मुहूर्तमार्तण्डः**	**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	सौरपरिवारकासामान्य परिचय, पञ्चाङ्ग परिचय	16	1
2.	नक्षत्र एवंराशिचक्रपरिचय	16	1
3.	समयज्ञान, मानक, स्थानीय	16	1
4.	सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान	16	1
5.	इष्टकाल, भयात, भभोग	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

तृतीयपत्रम् **CC-3**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	जन्मकुण्डलीचक्रनिर्माण	16	1
2.	स्पष्टग्रहसाधन, लग्नसाधन	16	1
3.	ससन्धि द्वादशभावसाधन	16	1
4.	चलितचक्रनिर्माण	16	1
5.	षड्वर्गसाधन	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

चतुर्थपत्रम् **CC-4**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	ग्रहोंकास्वरूप, ग्रहों के उच्च–नीच एवंमूलत्रिकोणराशियाँ	16	1
2.	ग्रहदृष्टिविचार, आंशिक एवंपूर्णदृष्टि, परमउच्च, नीच	16	1
3.	ग्रहमैत्री विचार (तात्कालिक–नैसर्गिक–एवं पञ्चधा)	16	1
4.	राशियों के गुणधर्म एवंस्वामी	16	1
5.	चर एवंस्थिरकारकग्रह	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

पञ्चमपत्रम् **CC-5**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	भावविचार,भावसंज्ञा, द्वादशभावस्थग्रहफलविचार	16	1
2.	लघुपाराशरी के अनुसारभावफलविचार	16	1
3.	आयुविचार, राजयोगविचार	16	1
4.	नीचभङ्ग राजयोगविचार	16	1
5.	ग्रहों के योगकारकत्वविचार	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)

विषयः-डिप्लोमा-ज्योतिषशास्त्रम्

पूर्णाङ्काः- १००

सैद्धान्तिक - ८०

आन्तरिकमूल्यांकन- २०

द्वितीय (II-Semester)

प्रथमपत्रम् **CC-1**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	कालपुरूष के अंगविचार	16	1
2.	ग्रहों के आत्मादि एवंराजादिविभागविचार	16	1
3.	बालारिष्ट योगविचार	16	1
4.	जातक के विविध योग– अन्ध, काण, खञ्ज, वामन, मूक, वधिर, क्लीव, श्रीनाथयोग,गजकेसरीयोग, पञ्चमहापुरूष योग, अमला योग	16	1
5.	सूर्य एवंचन्द्रकृत शुभाशुभयोग	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

सन्दर्भग्रन्थाः-

1. भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्-मीठालालहिंमतरामओझा, देवर्षिप्रकाशन, वाराणसी।
2. भारतीयज्योतिषम्-शिवनाथझारखण्डी, उत्तरप्रदेशहिन्दीसंस्थान, लखनऊ।
3. विद्यापीठपञ्चाङ्गम्-श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली।

द्वितीयपत्रम् **C-2**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	द्वादशभावफलविचार	16	1
2.	सूर्य, चन्द्र, मंगलग्रहोंसेगोचरगत विचारणीय विषय	16	1
3.	बुध, गुरु, शुक्रग्रहोंसेगोचरगत विचारणीय विषय	16	1
4.	शनि, राहु, केतुग्रहोंसेगोचरगत विचारणीय विषय	16	1
5.	शनिसाढ़े साती एवंढैयाविचार	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

तृतीयपत्रम् **C-3**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	विविध दशा–अन्तर्दशासाधन एवंफलविचार	16	1
2.	विंशोत्तरीदशासाधन	16	1
3.	अष्टोत्तरी, योगिनीदशासाधन	16	1
4.	वर्षलग्नसाधन, ताजिकदृष्टिविचार, पञ्चाधिकारी एवंवर्षेशनिर्णय	16	1
5.	त्रिपताकीचक्र, मुद्दादशासाधन	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

चतुर्थपत्रम् **C-4**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	मेलापकविचार– (ग्रह मेलापक एवं नक्षत्र मेलापक के आधारपरअष्टकूट विचार)	16	1
2.	मुहूर्तविचार– षोडशसंस्कार	16	1
3.	यात्रा, गृहारम्भ, गृहप्रवेश, क्रय–विक्रयादिमुहूर्तविचार	16	1
4.	मांगलिकविचार	16	1
5.	चन्द्र एवं शुक्रसेमांगलिककीवैज्ञानिकता	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial)आन्तरिक–मूल्यांकनम्।	20	1

पञ्चपत्रम् **C-5**		अंकः
1.	प्रायोगिक	80
2.	मौखिक	20

<u>सहायकग्रन्थ</u>–

भारतीय ज्योतिष – डॉ0 नेमिचन्द्र शास्त्री

लघुपाराशरी – महर्षिपराशर

लघुजातक – आचार्यवाराहमिहिर

ताजिकनीलकण्ठी – आचार्यनीलकण्ठ

मुहूर्तचिन्तामणि – आचार्यरामदैवज्ञ

जातकालंकार – आचार्यगणेशदैवज्ञ

ब्रह्माण्ड एवंसौरपरिवार – डॉ0 देवीप्रसाद त्रिपाठी

केरलप्रश्नसंग्रह – टीकाकारः प्रो0 सच्चिदानन्दमिश्र

ज्योतिषविज्ञाननिर्झरी – डॉ0 विनोद शास्त्री

ज्योतिषपीयूष – म0म0पं0 कल्याणदत्त शर्मा

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)

विषयः-डिप्लोमा-वास्तुशास्त्रम्

पूर्णाङ्काः- १००
सैद्धान्तिक - ८०
आन्तरिकमूल्यांकन- २०

प्रथमसत्रम्(I-Semester)

प्रथमपत्रम् **C-1**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	वास्तुशास्त्र का संक्षिप्तपरिचय	16	1
2.	वास्तुशास्त्र की उत्पत्ति	16	1
3.	वास्तु शास्त्र के भेद	16	1
4.	वास्तु शास्त्र के मानकग्रन्थोंकापरिचय	16	1
5.	वास्तुशास्त्र की उपयोगिता	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

द्वितीयपत्रम् **C-2**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	पंचमहाभूतोंकापरिचय	16	1
2.	वास्तुशास्त्र मेंपंचमहाभूतों की उपयोगिता	16	1
3.	भूमि की गुणवत्ता	16	1
4.	शल्य विचार, जलप्रबन्धन, सूर्यप्रकाशप्रबन्धन		
5.	भूमि के दोष, भूमिकाप्लवत्व, वायुतत्वप्रबन्धन, खिड़की, झरोखा (गवाक्ष) आकाश, कक्ष की ऊँचाई, ब्रह्मस्थानआदिविचार	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

तृतीयपत्रम् **C-3**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	भूखण्डचयनविधि	16	1
2.	भूमि शोधन	16	1
3.	भूमि के आकार–प्रकार	16	1
4.	दिक्शोधन		
5.	दिक् परिचय एवंसाधन	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

चतुर्थपत्रम् **C-4**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	पञ्चांगपरिचय–तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण	16	1
2.	ग्रहमैत्री–तात्कालिक एवंनैसर्गिक	16	1
3.	मुहूर्तपरिचय	16	1
4.	लग्नज्ञान, सारिणी द्वारा		
5.	स्पष्टग्रहपरिचय पञ्चांगद्वारा	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

पञ्चमपत्रम् **C-5**		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	गृहारम्भमेंविहितमास, राहुमुख पुच्छविचार (खातविधि)	16	1
2.	भूमिशयनविचार	16	1
3.	शिलान्यासविधि	16	1
4.	गृहारम्भमुहूर्त		
5.	गृहप्रवेशमुहूर्त	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

<u>सहायकग्रन्थ</u>–

बृहद्संहिता–वास्तुविद्याध्याय – वराहमिहिर

समरागंणसूत्रधार – भोजराज

बृहद्वास्तुमाला – रामनिहोरद्विवेदी

वास्तुरत्नावली –

मनुष्यालय चन्द्रिका – नीलकण्ठ

मुहूर्तचिन्तामणि – रामाचार्य

भारतीय वास्तुशास्त्र – प्रो0 शुकदेवचतुर्वेदी

वास्तुसार – प्रो0 देवीप्रसाद त्रिपाठी

भारतीय वास्तुविद्या के वैज्ञानिकआधार– डॉ0 बिहारीलाल शर्मा

वास्तुदर्शन – डॉ0 पी0वी0 ओसेफ

वास्तुप्रबोधिनी – डॉ0 विनोद शास्त्री।

उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

विकल्पाधारित-क्रेडिटप्रणाली-पाठ्यक्रमः (CBCS)

पाठ्यक्रमप्रारूपम् (२०१९-२० सत्रतः प्रभावी)

विषयः-डिप्लोमा-वास्तुशास्त्रम्

पूर्णाङ्काः- १००
सैद्धान्तिक - ८०
आन्तरिकमूल्यांकन- २०

द्वितीयसत्रम्(II-Semester)

प्रथमपत्रम् C-1		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	वर्ग एवं काकिणी विचार	16	1
2.	भू–खण्ड के विविध प्रकार एवंफल	16	1
3.	भूखण्ड की लम्बाई–चौड़ाई, एवं क्षेत्रफल	16	1
4.	आयादिविचार	16	1
5.	पिण्डसाधन	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

द्वितीयपत्रम् C-2		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	वास्तुशास्त्र मेंपदविन्यास	16	1
2.	ब्रह्मस्थान एवंउसकामहत्त्व	16	1
3.	शिलान्यासविधि	16	1
4.	सोपानविचार	16	1
5.	जलविधान	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

तृतीयपत्रम् C-3		**पूर्णाङ्काः** 80+20	**क्रेडिट** 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	वास्तु एवंपर्यावरण	16	1
2.	वास्तु के अनुसार शुभाशुभ वृक्ष वनस्पतिप्रयोग	16	1
3.	वास्तु के अनुरूप शुभाशुभविचार	16	1
4.	वास्तुसम्मत योज्यायोज्य चित्र	16	1
5.	वास्तुदोषनिवारण एवं शान्ति	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

चतुर्थपत्रम् C-4		पूर्णाङ्काः 80+20	क्रेडिट 06
इकाई	पाठ्यविषयाः	अङ्काः	क्रेडिट
1.	देवालय वास्तु	16	1
2.	औद्योगिकइकाई	16	1
3.	वाणिज्यिककेन्द्र	16	1
4.	शैक्षणिकसंस्थान	16	1
5.	चिकित्सालयीय वास्तु	16	1
6.	अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिक-मूल्यांकनम्।	20	1

पञ्चपत्रम् C-5		अंकः
1.	लघुनिबन्ध	80
2.	मौखिक	20

सहायकग्रन्थ–

बृहद्संहिता–वास्तुविद्याध्याय	–	वराहमिहिर
समरागंणसूत्रधार	–	भोजराज
बृहद्वास्तुमाला	–	रामनिहोरद्विवेदी
वास्तुरत्नावली	–	
मनुष्यालय चन्द्रिका	–	नीलकण्ठ
मुहूर्तचिन्तामणि	–	रामाचार्य
भारतीय वास्तुशास्त्र	–	प्रो0 शुकदेवचतुर्वेदी
वास्तुसार	–	प्रो0 देवीप्रसाद त्रिपाठी
भारतीय वास्तुविद्या के वैज्ञानिकआधार–		डॉ0 बिहारीलाल शर्मा
वास्तुदर्शन	–	डॉ0 पी0वी0 ओसेफ
वास्तुप्रबोधिनी	–	डॉ0 विनोद शास्त्री।